© 2017 IJSRST | Volume 4 | Issue 2 | Print ISSN: 2395-6011 | Online ISSN: 2395-602X
Themed Section: Science and Technology

जनपद गाजीपुर जनसंख्या वृद्धि

अभिषेक कुमार यादव
शोधच्छात्र
समता पी.जी.कॉलेज सादात– गाजीपुर

किसी क्षेत्र विशेष की जनसंख्या में एक निश्चित समय में होने वाले मात्रात्मक परिवर्तन को जनसंख्या वृद्धि कहते हैं। यह परिवर्तन धनात्मक एवं ऋणात्मक वृद्धि कही जाती है।

अध्ययन क्षेत्र जनपद गाजीपुर में देश की प्राकृतिक जनसंख्या वृद्धि की प्रवृत्ति में क्रमशः वृद्धि ही रही है। सन् 1901 ई में अध्ययन क्षेत्र की जनसंख्या 913818 थी यह जनसंख्या वर्ष 1951 में बढ़कर 1140920 हो गयी। अतः पाँच दशकों की अवधि जनसंख्या में मात्र 227102 व्यक्तियों की वृद्धि जो (24.8 प्रतिशत) हुई। जबकि अगले पॉच दशको 1951 से 2001 की अवधि में जनसंख्या में (166 प्रतिशत) की वृद्धि हुई।[1] वर्ष 1901 से 1951 के मध्य स्वास्थ्य सेवाओं में कमी एवं हैजा, प्लेग, चेचक जैसी महामारियों का प्रकोप आदि के कारण इस अवधि में जनसंख्या में गिरावट आयी। अध्ययन क्षेत्र में सन् 1921 को जनसंख्या वृद्धि की दृष्टि से विभाजक वर्ष के रूप में जाना जाता है। वर्ष 1901–1911 में (–8.11 प्रतिशत) एवं वर्ष 1911–1921 (–0.88 प्रतिशत) के दशक में जनसंख्या में ऋणात्मक वृद्धि हुई तथा 1921 के बाद के दशकों में लगातार जनसंख्या में धनात्मक वृद्धि की प्रवृत्ति पायी गयी है। जनसंख्या की धनात्मक वृद्धि की दर समान नहीं थी। वर्ष 1921 से 1931 के मध्य (+5.55 प्रतिशत), 1931–41 के दशक में जनवृद्धि (19.44 प्रतिशत) वर्ष 1941–51 के दशक में घटकर (15.82 प्रतिशत) रह गयी किन्तु 1951–61 के मध्य (15.83 प्रतिशत), 1961–71 के मध्य (15.89 प्रतिशत), 1971–81 के मध्य (26.96 प्रतिशत), 1981–91 मध्य (25.02 प्रतिशत), 1991–2001 के मध्य (26.18 प्रतिशत) रही। 1971 के बाद के दशकों में स्वास्थ्य सेवाओं में वृद्धि से मृत्यु दर कम तथा जन्म दर अधिक होने के फलस्वरूप जनसंख्या में अतिशय वृद्धि हुई।[2]

अध्ययन क्षेत्र जनपद गाजीपुर की जनसंख्या वृद्धि का विश्लेषण से स्पष्ट है कि 20वीं शताब्दी के प्रथम दो दशक में जनवृद्धि ऋणात्मक तथा इसके बाद के दशकों में जनवृद्धि धनात्मक रही है।[3] इस आधार पर 1901 से 2001 की अवधि को दो भागों में रखा जा सकता है–

1. ऋणात्मक वृद्धि काल (1901–21)
2. धनात्मक वृद्धि काल (1921–2001)

जनपद गाजीपुर में वर्ष 1901 से वर्ष 1921 के मध्य जनवृद्धि ऋणात्मक (–8.11 प्रतिशत), 1911 से 1921 में यह (–0.88 प्रतिशत) रही। इस ऋणात्मक जनवृद्धि का मूल कारण वर्ष 1904 में उत्पन्न दुर्भिक्ष एवं वर्ष 1911 की प्रलयकारी महामारी थी।[4]

अध्ययन क्षेत्र जनपद गाजीपुर में सन् 1921 के बाद जनसंख्या में धनात्मक वृद्धि की प्रवृत्ति देखी गयी। वर्ष 1921 में जनसंख्या 732284 थी यह वर्ष 1931 में बढ़कर 824271, वर्ष 1941 में 1944669, वर्ष 1991 में 2238315 एवं वर्ष 2001 में कुल जनसंख्या 3037582 हो गयी (सारणी संख्या–3.1) है।[5]

दशकीय वृद्धि के संदर्भ में दशक 1921–31 के मध्य (+5.55 प्रतिशत), 1931–41 के मध्य (19.44 प्रतिशत), 1941–51 के मध्य (15.82 प्रतिशत), 1951–61 के मध्य (15.82 प्रतिशत), 1961–71 के मध्य (15.89 प्रतिशत), 1971–81 के मध्य (26.96 प्रतिशत), 1981–91 के मध्य (25. 02 प्रतिशत), 1991 से 2001 के मध्य (26.18 प्रतिशत) रही है (सारणी संख्या–3.1) एवम् आरेख संख्या 3.1। अतः स्पष्ट है कि जनसंख्या की धनात्मक वृद्धि काल में भी 1941 से 1971 तक तीन दशकों में सामान्य वृद्धि (55.48 प्रतिशत) की वृद्धि रही, जबकि अगले तीन दशकों 1971 से 2001 के मध्य तीव्र जनसंख्या वृद्धि (98.32 प्रतिशत) की वृद्धि रही है।[6]

विकास खण्ड स्तर पर जनसंख्या वृद्धि :

अध्ययन क्षेत्र जनपद गाजीपुर में विकास खण्ड स्तर पर जनसंख्या वृद्धि का विश्लेषण किया गया है। वर्ष 1991–2001 की दशकीय वृद्धि के संदर्भ में जनपद गाजीपुर की भदौरा विकास खण्ड में जनसंख्या वृद्धि सर्वाधिक रही है यहाँ पर दशकीय वृद्धि (29.97 प्रतिशत) थी

जबकि न्यूनतम दशकीय वृद्धि विकास खण्ड भावरकोल में रहा। यहाँ पर दशकीय वृद्धि मात्र (20.56 प्रतिशत) ही पायी गयी है (सारणी संख्या–3.5 एवं चित्र संख्या 3.2)।[7]

अध्ययन क्षेत्र जनपद गाजीपुर की समस्त विकास खण्डों में जनसंख्या की दशकीय वृद्धि में प्रादेशिक असन्तुलन है सन् 1991–2001 के दशकीय वृद्धि के आधार पर विकास खण्डों को निम्न वर्गों में रखा जा सकता है।

(1) निम्न जनसंख्या वृद्धि
(2) मध्यम जनसंख्या वृद्धि
(3) उच्च जनसंख्या वृद्धि
(4) अतिउच्च जनसंख्या वृद्धि

(1) निम्न जनसंख्या वृद्धि (24 प्रतिशत से कम)

इस श्रेणी के अन्तर्गत जनपद गाजीपुर के उन विकासखण्डों को शामिल किया गया है। जिनकी जनसंख्या में दशकीय वृद्धि (24 प्रतिशत) से कम रहा हैं इस वर्ग के अन्तर्गत करण्डा (21.02 प्रतिशत), भाँवरकोल (20.56 प्रतिशत), रेवतीपुर (21.48 प्रतिशत) एवं सादात (23.20 प्रतिशत) विकासखण्ड है। इस श्रेणी के विकासखण्डों की प्राप्ति बहुत ही मन्द है। इन विकासखण्डों में निम्न जनसंख्या वृद्धि का कारण स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार एवं साक्षरता के कारण नागरिक चेतना मुख्य कारण रही है (सारिणी संख्या)।[8]

सारणी : संख्या
जनपद गाजीपुर
जनसंख्या वृद्धि (1901–2001)

वर्ष	अध्ययन क्षेत्र		उ0 प्र0	भारत
	वास्तविक जनसंख्या	दशकीय वृद्धि प्रतिशत		
1901	913818	–	–	–
1911	839725	–8.11	–1.36	5.75

1921	732284	−0.88	−3.16	−0.31
1931	824971	+5.55	6.56	11
1941	985081	+19.44	13.57	14.22
1951	1140920	+15.82	11.78	13.31
1961	1321578	+15.83	16.38	21.64
1971	1531659	+15.89	19.54	24.80
1981	1944669	+26.96	25.39	24.66
1991	2238315	+25.02	25.55	23.86
2001	3037582	26.18	25.80	21.30

स्रोत : (i) जिला सांख्यिकीय पत्रिका

(ii) सेन्सस फ्लापी

(iii) जिला जनगणना हस्त पुस्तिका[9]

(2) मध्यम जनसंख्या वृद्धि (24–26 प्रतिशत) :

इस श्रेणी में अध्ययन क्षेत्र के उन विकासखण्डों को शामिल किया गया है, जहाँ पर जनसंख्या की दशकीय वृद्धि (24 प्रतिशत) से (26 प्रतिशत) के मध्य पायी गयी है। इस श्रेणी के अन्तर्गत अध्ययन क्षेत्र के 6 विकासखण्ड विरनों (24.01 प्रतिशत), सैदपुर (24.12 प्रतिशत), बाराचवर (24.47 प्रतिशत) एवं देवकली (25.82 प्रतिशत) तथा गाजीपुर (25.35 प्रतिशत) विकासखण्ड शामिल है। इन विकासखण्डों में विकास की प्रगति में वृद्धि धीरे–धीरे हो रही है। अध्ययन क्षेत्र मुख्यतः कृषि प्रधान क्षेत्र है जहाँ गरीबी बेरोजगारी निरक्षरता, सामाजिक रूढ़ियाँ मुख्य रूप से प्रगति से बाधक है (सारिणी संख्या 3.5)।[10]

(3) उच्च जनसंख्या वृद्धि (26–28 प्रतिशत) :

इस श्रेणी में अध्ययन क्षेत्र के तीन विकासखण्ड है, जहाँ पर जनसंख्या की दशकीय वृद्धि (26–28 प्रतिशत) तक पायी गयी है। इस श्रेणी के अन्तर्गत अध्ययन क्षेत्र की जखनिया (27.40 प्रतिशत), मरदह (27.59 प्रतिशत), मुहम्मदाबाद (26.86 प्रतिशत) रही है।[11] इन विकासखण्डों में जनसंख्या उच्च जनसंख्या वृद्धि पायी गयी है। इन विकासखण्डों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के फलस्वरूप मृत्युदर में कमी आयी किन्तु धार्मिक रूढ़ियाँ सामाजिक परम्पराओं के कारण जन्मदर अधिक होने से उच्च जनसंख्या के क्षेत्र है (सारिणी संख्या 3.5, मानचित्र 3.1)।[12]

(4) अति उच्च जनसंख्या वृद्धि (28 प्रतिशत से अधिक) :

इस श्रेणी के अन्तर्गत के विकासखण्ड शामिल है जिनकी दशकीय वृद्धि (28 प्रतिशत) से अधिक है।[13] इनमें मनिहारी (28.54 प्रतिशत), कासिमाबाद (28.47 प्रतिशत) एवं भदौरा (29.97 प्रतिशत) विकासखण्ड शामिल है।[14]

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. Mamoria, C.B. (1961), "India's Population Problems", Kitab Mahal, Pvt. Ltd., Allahabad, P. 74.
2. Panda, B.P. (1988) : Population Geography pp.-135.
3. Chandana, R.C. (1981) : Introduction to Population Geography, Kalyani Publication, New Delhi pp. 126-127.
4. Chandana, R.C. & : Introduction to Population.
5. Singh R.N. and S.D. Maurya (2006) : Dicnory on Geography Sarda Publication, Sarda Pustak Bhawan Allahabad.
6. Chandra, R.C. and Sidhu, M.S. (1980), "Introduction to Population Geography", Kalyani Publishers New Delhi, p. 19.

7. Keating, H.M. (1935) : "Village Type and their distribution in Plain of Kotinghom, "Geog, 20. p.p. 283-294.

8. Singh, R.L. (1955) : Evolution of Settlement in the Middle Ganga Valley N.G.S.I. (2) p. 83.

9. Steel, R.N. (1955), Land and Population in British Thopical Africa", Geography, p. 40.

10. Singh, S.N.C. and Devi Uma (1975), "Manav Bhugol Ka Vivechnatmak Adhyayan", Ramapatti Press, Varanasi.

11. Gale, S., (1973), "Explanation Theory and Models of Migration, "Economic Geography. 49, p.p. 257-274.

12. Census of India 1961, 1971, 1981, 1991, 2001 : District Census Hand Book Ghazipur District.

13. National Information Center 1991, 2001 : District Ghazipur.

14 Singh R.P.B., 1997 : A study of Cultural Geography, National Geographical Journal of India, Varanasi pp. – 21.